भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

अमर उजाला

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 14.06.2019

काशी को संवारेगी आईआईटी रुड़की

पुरातन संस्कृति एवं धरोहर के संरक्षण में सहयोग देगा संस्थान, एमओयू पर हस्ताक्षर

अमर उजाला ब्यूरो

रुड़की/वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के साथ मिलकर आईआईटी रुड़की वाराणसी की संस्कृति एवं धरोहर के संरक्षण के लिए काम करेगी। साथ ही बीएचयू में शुरू किए गए आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग विभाग को स्थापित करने में भी मदद करेगी। इसके लिए बृहस्पतिवार को संस्थान में आईआईटी बीएचयू और आईआईटी रुड़की के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

आईआईटी निदेशक प्रो. एके चतुर्वेदी और आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. पंकज कुमार जैन ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने बताया कि आईआईटी बीएचयू में पहली बार आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग डिपार्टमेंट की स्थापना की जा रही है। वाराणसी एक ऐतिहासिक शहर है, जिसका पांच हजार से अधिक वर्षों का पुराना इतिहास है। नए डिपार्टमेंट की स्थापना का मुख्य उद्देश्य विभाग के जरिये शहर की पौराणिक धरोहर को संरक्षित करना है। आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. पंकज कुमार जैन ने बताया कि करार के तहत डिपार्टमेंट को स्थापित करने में आईआईटी रुड़की की मदद ली जाएगी। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. एके चतुर्वेदी ने बताया कि आईआईटी बीएचयू को फैकल्टी, पाठ्यक्रम समेत सभी प्रकार की मदद दी जाएगी। साथ ही अनुसंधानों का आदान प्रदान किया जाएगा। उधर, आईआईटी बीएचयू में इस नए डिपार्टमेंट के खोले जाने संबंधी सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं।

स्मार्ट सिटी बनाने की दिशा में भी करेंगे काम

आईआईटी के निदेशक प्रो. एके चतुर्वेदी ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से वाराणसी को स्मार्ट सिटी की सूची में भी शामिल किया गया है। ऐसे में संस्थान की ओर से स्मार्ट सिटी की दिशा में काम किया जाएगा। पुरानी पहचान को बनाए रखते हुए नए निर्माण को कैसे धरातल पर उतारा जा सकता है, इस दिशा में अनुसंधान किया जाएगा।